अनुक्रमणिका

अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय - ''जगदीशचंद्र माथुर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व''

पृ. 1 - 24

विषय प्रवेश

1 व्यक्तित्व

1.1 पारिवारिक पृष्ठभूमि

1.2 माता-पिता

1.3 माथुरजी का जन्म तथा बचपन

1.4 संस्कार और शिक्षा-दीक्षा

1.5 घरेलू वातावरण

1.6 कला की रुचि

1.7 साहित्य क्षेत्र में पदार्पण

1.8 साहित्य क्षेत्र

1.9 साहित्यिक व्यक्तित्व

2 कृतित्व

2.1 कार्यक्षेत्र

2.2 साहित्य क्षेत्र

2.2.1 एकांकी

अ. भोर का तारा

ब. ओ मेरे सपने

क. मेरे श्रेष्ठ एकांकी

2.2.2 लघु नाटक

1. कुंवरसिंह की टेक

2. गगन सवारी

2.2.3 नाटक साहित्य

1. कोणार्क
2. शारदीया
3. पहला राजा
4. दशरथ नंदन
5. रघुकुल रीति

2.2.4 अन्य साहित्य

निष्कर्ष

द्वितीय अध्याय - ''जगदीशचंद्र माथुर के नाटकों का परिचय''

पृ. 25 - 51

प्रास्ताविक

1. कोणार्क
2. पहला राजा
3. शारदीया

निष्कर्ष

तृतीय अध्याय - ''जगदीशचंद्र माथुर के नाटकों के प्रमुख पात्र''

पृ. 52 - 95

प्रास्ताविक

1. प्रमुख पुरुष पात्र

1.1 विशु

1.1.1 महान कलाकार विशु

1.1.2 कायर विशु

1.1.3 यथार्थ से पलायन करनेवाला विशु

1.1.4 कर्तव्यपरायण विशु

1.2 धर्मपद

1.2.1 सच्चा कलाकार

1.2.2 विद्रोही धर्मपद

1.2.3 स्वाभिमानी वीर युवक

1.3 पृथु

1.3.1 एकता चाहनेवाला शासक

1.3.2 कर्तव्यपरायण पृथु

1.3.3 दृढ़ एवं साहसी व्यक्तित्व

1.3.4 आश्रम रक्षक एवं ब्राह्मण पालक

1.3.5 पहला भूपालक

1.3.6 गृहस्थी जीवन जीनेवाला पृथु

1.4 कवष

1.4.1 अनार्य जाति का प्रतिनिधि

1.4.2 सच्चा मित्र

1.4.3 कर्म का उपासक

1.4.4 मजदूर वर्ग का उपासक

1.5 नरसिंहदेव

1.5.1 कला के आश्रयदाता राजा

1.5.2 प्रजावत्सल राजा

1.6 राजराज चालुक्य

1.6.1 षड़यंत्रकारी क्रूर महामात्य

1.7 सौम्यश्रीदत्त

1.8 नरसिंहराव

1.8.1 प्रेमी नरसिंहराव

1.8.2 राष्ट्रप्रेमी नरसिंहराव

1.9 सखाराम घाटगे (सर्जेराव)

1.9.1 क्रूर और महत्वाकांक्षी सखाराम

2 प्रमुख नारी पात्र

2.1 उर्वी

2.1.1 प्रेयसी उर्वी

2.1.2 धरती का प्रतीक

2.2 अर्चना

2.2.1 ईर्ष्यालू पत्नी

2.2.2 साहसी नारी

2.3 बायजाबाई

2.3.1 प्रेमिका बायजाबाई

2.3.2 विद्रोहिणी बायजाबाई

निष्कर्ष

चतुर्थ अध्याय - ''जगदीशचंद्र माथुर के नाटकों के गौण पात्र''

पृ. 96 - 117

1 गौण पुरुष पात्र

1.1 राजीव

1.2 शैवालिक

1.3 महेंद्र वर्मन

1.4 दौलतराव सिंधिया

1.5 परशुराम भाऊ

1.6 जिन्सेवाले

1.7 बाबा फडके

1.8 गढ़पति

1.9 सैनिक

1.10 दरबान

1.11 पत्र लेखक

1.12 शुक्राचार्य, अत्रि और गर्ग

1.13 सूत और मागध

1.14 सूत्रधार और नटी

2 गौण नारी पात्र

2.1 रहीमन

2.2 सरनाबाई

2.3 सुनीथा

2.4 दासी

निष्कर्ष

पंचम अध्याय - ''जगदीशचंद्र माथुर के नाटकों के पात्रों की विशेषताएँ'' पृ. 118 - 144

प्रस्तावना

1. सहनशीलता
2. युग दृष्टि
3. मानवतावादी दृष्टि
4. कला प्रेम
5. भावप्रवणता
6. घृणा का भाव
7. त्याग की भावना
8. विद्रोह की भावना
9. व्यक्तिवादी चेतना
10. प्रेम की भावना

निष्कर्ष

उपसंहार पृ. 145 - 155

संदर्भ ग्रंथ सूची पृ. 156 - 1 57